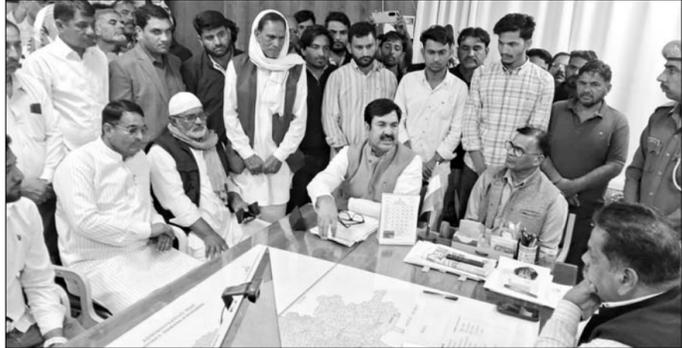


डीडवाना : सरकार ने कस्टोडियन जमीनों के मुद्दे पर राज्य स्तरीय कमेटी गठित की

राजस्व विभाग के वरिष्ठ शासन उप सचिव ने चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना जिले में कस्टोडियन जमीनों को सरकारी घोषित करने के विरोध में लंबे समय से किसानों का आंदोलन जारी है। इस मुद्दे को लेकर अब राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए एक राज्य स्तरीय कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी कस्टोडियन जमीनों के संबंध में प्राप्त ज्ञापन और अभ्यावेदन दिनों में उठाए गए बिंदुओं पर सरकार के नियमों और परिपत्रों के मुताबिक विधिक परीक्षण करेगी और अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगी।

राजस्व विभाग के वरिष्ठ शासन उप सचिव कैलाश चंद्र कुमावत ने एक आदेश जारी कर इस कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में डीडवाना, चौमूं व जयपुर के तहसीलदारों सहित एक डीएलआर को किया शामिल किया गया है। यह आदेश जारी होते ही डीडवाना विधायक यूनस खान बड़ी संख्या में



आदेश जारी होते ही डीडवाना विधायक यूनस खान कस्टोडियन जमीनों के प्रभावित लोगों के साथ जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड्गावत से मिलने पहुंचे।

कस्टोडियन जमीनों के प्रभावित लोगों के साथ जिला कलेक्टर पहुंचे और कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड्गावत को सरकार का आदेश सौंपा। इस मौके पर यूनस खान ने कहा कि डीडवाना में सैकड़ों किसान

परिवार कस्टोडियन जमीनों पर 78 वर्षों से काबिज हैं और यह जमीने उनकी पुरैनी जमीन है, लेकिन इन

कमेटी में डीडवाना, चौमूं व जयपुर के तहसीलदार सहित एक डीएलआर को शामिल किया

जमीनों को वर्ष 2011 में सरकारी घोषित कर दिया गया और अब इन जमीनों को सरकार अपने संरक्षण में ले रही थी। इसे लेकर उन्होंने विधानसभा में भी मुद्दा उठाया और राजस्व मंत्री सहित राजस्व विभाग के उच्च अधिकारियों से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपे। यूनस खान ने सरकार से किसान परिवारों को उनका वास्तविक और विधिबद्ध अधिकार दिलाने के लिए त्वरित एवं ठोस कार्रवाई करने का आग्रह किया। इसी के परिणाम स्वरूप राज्य सरकार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए आज कमेटी बनाने के आदेश जारी किए।

ट्रेन की चपेट से युवक की मौत

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीप इंडाली रोड पर ट्रेन की चपेट में आने से 32 साल के एक युवक की मौत हो गई। यह हादसा था या फिर आत्महत्या, यह जांच का विषय है, जिसे लेकर पुलिस ने अपनी छानबीन शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार इंडाली गांव का रहने वाला जयप्रकाश पुत्र विद्याधर जाट बुधवार सुबह अपने घर से बाइक लेकर निकला था। इसके बाद बुधवार शाम को सूचना मिली कि जयप्रकाश का शव इंडाली अंडरपास के करीब पटरियों के किनारे पड़ा हुआ है। परिजन मौके पर पहुंचे तो जयप्रकाश मृत हालत में मिला। कुछ दूरी पर ही जयप्रकाश की बाइक भी मिली। मौके पर परिजनों को जयप्रकाश की जेब से इंडाली अस्पताल की एक पर्चा मिली, जिसके अनुसार संभावना जताई जा रही है कि मौत से



मृतक युवक का फाइल फोटो।

कुछ घंटे पहले ही जयप्रकाश अपनी किसी बीमारी का इलाज करवाने के लिए अस्पताल गया था। जयप्रकाश एक

■ आत्महत्या या फिर हादसा, पुलिस कर रही है जांच

पेट्रोल पंप पर सेल्समैन करता था, लेकिन आठ दिन पहले तीन दिसंबर को ही उसने वहां पर भी काम छोड़ दिया था। दो दिन पहले पेट्रोल पंप पर भी हिसाब करने गया था। जयप्रकाश की मौत अभी पहली बनी हुई है। मौके के हालातों से यह आत्महत्या लग रही है, लेकिन परिजनों का मानना है कि जयप्रकाश ऐसा किसी तनाव में भी नहीं था कि वह सुसाइड कर ले। पुलिस ने गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर मौत के कारणों की पड़ताल शुरू कर दी है। मृतक जयप्रकाश अविवाहित था। उसका छोटा भाई है जो रेलवे में नौकरी करता है।

कर्ज से परेशान युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में एक युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन करके सुसाइड कर लिया। जानकारी के अनुसार सीताराम पांचाल (42) ने घर में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, सीताराम को अचेतावस्था में परिजन उपचार के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां

उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। उद्योग नगर थानाधिकारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि प्रेम नगर द्वितीय निवासी सीताराम पांचाल ने घर में जहरीले पदार्थ का सेवन करके आत्महत्या कर ली। थानाधिकारी ने बताया कि सीताराम फर्नीचर का काम करता था, मृतक के परिजनों ने रिपोर्ट दी है कि

कर्जदार आये दिन आकर परेशान करते थे। इसी तनाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया है। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पिलानी में सेना के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग



पिलानी स्थित हेलिपैड पर सेना के हेलिकॉप्टर की एमरजेंसी लैंडिंग से हड़कंप मच गया।

पिलानी, (निसं)। कस्बे में स्थित हेलिपैड पर सेना के हेलिकॉप्टर की एमरजेंसी लैंडिंग से हड़कंप मच गया।

गुरुवार दोपहर को अचानक बीईटी के हेलिपैड पर सेना का हेलिकॉप्टर उतर गया, जिसके बाद हेलिपैड पर मौजूद कर्मचारियों ने सूचना बीईटी निदेशक मेजर जनरल एसएस नायर को दी। अचानक हेलिकॉप्टर के आने की सूचना पर मेजर जनरल एसएस नायर भी बीईटी

■ करीब 15 मिनट बाद ही वापस हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी

स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस के साथ प्रशासन को सूचना दी गई, लेकिन जब तक बीईटी निदेशक एसएस नायर पहुंचे। तब तक हेलिकॉप्टर ने वापस उड़ान भरने की तैयारी कर दी थी। सूत्रों की मानें तो सेना के हेलिकॉप्टर में तकनीकी खामी

आ जाने के कारण बिना कोई पूर्व सूचना के सेना के जवानों ने हेलिकॉप्टर लैंडिंग कर दी थी, लेकिन जब तकनीकी खामी दूर हुई तो वे वापस रवाना हो गए। पुलिस भी जब पहुंची, तब तक सेना के जवान हेलिकॉप्टर में बैठ चुके थे, इसलिए पुलिस भी कोई जानकारी नहीं जुटा सकी। हेलिकॉप्टर करीब 15 मिनट ही पिलानी में रुका। बाद में हेलिकॉप्टर के जयपुर जाने की सूचना मिली है।

अवैध डोडा-पोस्त जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

अनुपगढ़, (निसं)। पुलिस ने लगातार दूसरे दिन अवैध नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग अभियानों में 2 किलो 780 ग्राम डोडा-पोस्त डंडल सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए की गई।

पहली कार्रवाई एसएचओ ईश्वर प्रसाद जांगिड़ के नेतृत्व में की गई। गश्त के दौरान प्रीति पैलेस रोड पर बिजली बोर्ड के पास एक स्कूटी सवार व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ा। पृष्ठताछ में उसने अपना नाम कालूराम पुत्र कृष्णलाल, निवासी बार्ड नंबर 3, प्रेम नगर, अनुपगढ़ बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक गले में 1 किलो 240 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त डंडल बरामद हुआ।

पुलिस ने कालूराम को मौके पर

ही गिरफ्तार कर लिया और परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी जब्त कर ली। दूसरी कार्रवाई उपनिरीक्षक गोविंद सिंह ने की। उन्होंने नेशनल हाईवे 911 से गांव 26 एपीडी की तरफ जाने वाली सड़क पर 24 एपीडी मोड़ के पास से आरोपी जगवीर सिंह पुत्र दलबारा सिंह, निवासी 77 जीबी, हाल चक 24 एपीडी अनुपगढ़ को गिरफ्तार किया। जगवीर सिंह के पास से 1 किलो 540 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त डंडल बरामद हुआ। इस दौरान पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया।

डीएसपी प्रशांत कौशिक ने बताया कि पकड़े गए आरोपी कालूराम के खिलाफ अब एनडीपीएस के कुल 3 मामले दर्ज हो गए हैं। वहीं, आरोपी जगवीर सिंह के खिलाफ एनडीपीएस के 8 मुकदमे दर्ज हैं, जो उसकी आपराधिक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

लाखों का माल बेचकर नगदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने कंपनी मालिक की रिपोर्ट पर वाहन चालक व साथी के खिलाफ लाखों का माल चोरी कर बेच कर नगदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित मनीष गडवाल पुत्र चंदनलाल निवासी अधीखा कोरियारस मादड़ी इण्डस्ट्रियल एरिया ने आरोपी राजकुमार लौहार पुत्र शांतिलाल निवासी कंबाड़िया माण्डल भीलवाड़ा तथा लक्ष्मीलाल पुत्र डालचंद जणवा निवासी भटवर वल्लभ नगर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि मेरी कंपनी माल परिवहन कर दूसरे स्थानों पर पहुंचाती है। हर बार सरकारी मापदंड अनुसार मान्यता प्राप्त कांटे पर माल भरवा कर भिजवाया जाता है। 19 अक्टूबर 25 को हिन्दुस्तान युगिलिवर को माल भिजवाया था। जहां पर माल कम पहुंचने पर राजपुरा लुधियाना पंजाब पुलिस थाने में चालकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। इस मामले में किए गए अनुसंधान में बाद 43 लाख 86 हजार 026 रूपये का माल आरोपियों ने कम भेजा, जबकि उन्हें पूरा माल सौंपा था। आरोपियों को इसका पता चलने पर फरार हो गए।

“बाघिन कनकटी” को मुकुंदरा हिल्स के एन्क्लोज़र में वापस डालने के प्रयास जारी

बाघिन का मूवमेंट दिल्ली-मुंबई रेलवे लाइन के आस-पास देखा गया है

कोटा, 11 दिसम्बर (निसं)। रणथंभौर में दहशत फैलाने के बाद, कोटा के मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व लाई गई बाघिन कनकटी को एमटी-7 नाम दिया गया है, जिसे 82 स्ववायु मीटर के एन्क्लोज़र में रखा गया था। उसे मुकुंदरा में खुला छोड़ने का प्लान था, लेकिन इसके पहले ही वह एन्क्लोज़र से बाहर निकल गई। वह 9 दिसंबर को नेशनल हाईवे-52 पर भी नजर आई थी। इसके बाद से मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व का स्टाफ उसकी मॉनिटरिंग कर रहा है। उसे वापस एन्क्लोज़र में डालने की कवायद जारी है। जानकारी के अनुसार, बाघिन का मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व से गुजर रही दिल्ली-मुंबई रेललाइन के आसपास मूवमेंट बना हुआ था। फॉरेस्ट अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल वह 2 से 4 किलोमीटर दूर पहुंच गई है।

मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के फील्ड डॉपरक्टर और सीसीएफ सुगनाम जाट का कहना है कि जंगल



फाइल फोटो

की तरफ ही उसका मूवमेंट है। हालांकि बीते 24 घंटे वह एक लोकेशन के आसपास झाड़ियों में ही रही है। उसने

■ रणथंभौर से मुकुंदरा हिल्स टाइगर टियर्स लाई गई यह बाघिन, वन क्षेत्र में छोड़े जाने से पहले ही 82 स्ववायु मीटर के एन्क्लोज़र से बाहर निकल गई

कर रहा है कि वह स्वतः ही एन्क्लोज़र के आसपास चली जाए। ऐसा नहीं होने पर ट्रेकुलाइन खर्क उसे वापस एन्क्लोज़र में छोड़ा जाएगा। बाघिन के कारण दरा रेंज के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण रामवातार का कहना है कि इस बाघिन के बारे में सुना गया है कि वह रणथंभौर में एक 7 साल के बच्चे और वन विभाग के रेंजर पर हमला कर, उनकी जान ले चुकी है। फॉरेस्ट की टीम बार-बार हमें जंगल में नहीं जाने का आग्रह कर रही है।

छबड़ा में नैनो यूरिया की बोटल को अटैचमेंट समझकर भटके किसान, जाम लगाया

छबड़ा, (निसं)। कस्बे के खेल मैदान में गुरुवार को यूरिया खाद के कट्टों को लेकर टोकन वितरण किए गए। टोकन वितरण के बाद किसानों को यूरिया के साथ नैनो यूरिया की बोटल दी गई, जिसे अटैचमेंट समझकर कई किसान आक्रोशित होकर कृषि विभाग पहुंच गए और स्टेट हाईवे 51 को जाम कर दिया, जिसके चलते दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। सूचना पर पहुंचे पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद किसानों ने जाम खोल दिया।

जानकारी के अनुसार खेल मैदान में टोकन वितरण के बाद किसान खाद लेने पहुंचे तो किसानों को खाद के कट्टों के साथ नैनो यूरिया की बोटल भी दी गई, जिसको अटैचमेंट समझ कर किसान आक्रोशित होकर कृषि विभाग कार्यालय पहुंच गए तथा उपखण्ड कार्यालय के सामने सालपुरा रोड पर जाम लगा दिया तथा जमकर नारेबाजी की। सूचना पर पहुंचे पुलिस प्रशासन के



आक्रोशित किसानों ने स्टेट हाईवे 51 को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

अधिकारियों ने किसानों से समझाइश कर बताया कि नैनो यूरिया अटैचमेंट

नहीं है, बल्कि तरल यूरिया है, जिसके बाद किसानों ने जाम खोल दिया।

कृषि विभाग के सहायक निदेशक चौधमल मीणा ने बताया कि गुरुवार सुबह

■ पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ

■ टोकन वितरण के बाद किसानों को यूरिया के साथ नैनो यूरिया की बोटल दी थी

खेल मैदान में 2000 टोकन वितरण किए, जिसमें प्रत्येक टोकन पर 4 यूरिया बैग दिए गए। किसानों को यूरिया खाद के साथ कोई अटैचमेंट नहीं दिया जा रहा है। चार बैग यूरिया दानेदार एवं एक बोटल नैनो यूरिया की दी जा रही है, जो एक बैग दानेदार यूरिया के बराबर काम करती है। यह केवल तरल यूरिया है न की कोई अटैचमेंट। इसके उपयोग से खेत की मिट्टी की भी उर्वरक क्षमता अच्छी बनी रहती है और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है।

भीलवाड़ा का गौरी परिवार बुलंद दरवाजे पर 17 को झंडा चढ़ायेगा

अजमेर स्थित हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में 814 वां उर्स 17 दिसंबर से शुरू होगा

भीलवाड़ा, (निसं)। अजमेर स्थित हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में 814 वां उर्स 17 दिसंबर से शुरू होगा। परंपरा के अनुसार इस दिन भीलवाड़ा का गौरी परिवार बुलंद दरवाजे पर झंडा चढ़ाने की रस्म अंदा करेगा। इसके साथ ही उर्स की औपचारिक शुरुआत होगी। उर्स में झंडा चढ़ाने के लिए एक 83 वर्षीय की भांति इस वर्ष भी भीलवाड़ा के गुलामखड़ी खार कुआं के पास से फकरुद्दीन गौरी परिवार के चालीस सदस्य झंडा लेकर रवाना होंगे।

■ उर्स पर झंडा चढ़ाने की यह रस्म गौरी परिवार 83 सालों से निभा रहा है

फकरुद्दीन गौरी द्वारा सैय्यद अबरार अहमद की सदरत में 25 तोपों की सलामी के साथ पूरी की जाएगी। झंडा ले जाने के दौरान फकरुद्दीन गौरी के साथ अब्दुल लतीफ, बख्तवार अहमद, दाउद हुसैन, अब्दुल रहुफ, मोहम्मद रफी, मोसीन, मोहम्मद फजल, तोकिर अहमद सहित 40 गौरी परिवार के सदस्य रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि उर्स पर झंडा चढ़ाने की यह रस्म गौरी परिवार 83 सालों से निभा रहा है। गौरी परिवार के फकरुद्दीन ने बताया कि अजमेर दरगाह के बुलंद दरवाजे पर

झंडा चढ़ाने की रस्म के बाद ही असर की नमाज होगी। इससे पूर्व गेस्ट हाउस से झंडे का जलसा रवाना होगा। फकरुद्दीन गौरी ने बताया कि उर्स का झंडा चढ़ाने की परंपरा वर्ष 1928 में पेशावर के सैय्यद अब्दुल सत्तार बादशाह जान से शुरू की। उनके बाद लाल मोहम्मद गौरी ने 1944 से इस परंपरा को आगे बढ़ाया। उन्होंने 1991 तक रस्म निभाई। उनके बाद मोइनुद्दीन गौरी ने 2006 तक इस परंपरा को निभाया। इसके बाद वे इस रस्म को निभा रहे हैं। झंडे की रस्म शाम लगभग 5 बजे शुरू होगी। झंडे का जलसा दरगाह गेस्ट हाउस से गुली लंगर बुलंद दरवाजा पहुंचेगा। इस दौरान सूफियाना कलाम के साथ ही 25 तोपों की सलामी दी जाएगी।